A–0278

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAJY-506

MA Jyotish (MAJY)

(सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल विवेचन-02)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नक्षत्रमान का विवेचन करते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

2. सौर मान का विस्तृत विवेचन करते हुए इसके प्रयोजन पर प्रकाश डालिए।

3. सावन मान का प्राचीन स्वरूप क्या है ? इसके उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

4. दिन-रात्रि के कारणों का विस्तृत वर्णन करते हुए न्यूनाधिक मानों पर प्रकाश डालिए।

5. क्षयमास के कारणों एवं इसके सम्भाव्यता पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :— खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अहर्गण साधन की विधि लिखिए।

2. उदाहरणपूर्वक मध्यम ग्रह का आशय स्पष्ट कीजिए।

3. द्युज्या को परिभाषित करते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

4. शीघ्रफल साधन विधि एवं उपयोगिता को बताइए।

5. उदयान्तर से क्या तात्पर्य है ? इसके अनुप्रयोग का वर्णन कीजिए।

6. सायनग्रह से आप क्या समझते हैं ? इसके स्वरूप का विवेचन कीजिए।

7. क्रान्ति की परिभाषा देते हुए स्पष्ट क्रांति साधन विधि को लिखिए।

8. स्पष्टशर को परिभाषित करते हुए स्पष्ट क्रांति साधन विधि को लिखिए।

****